UNIVERSITY OF MUMBAI
No.UG 141 of 2004

CIRCULAR

A reference is invited to the Ordinances, Regulations and syllabi relating to the M.Phil. degree course in Hindi vide pamphlet No.180 and the Directors/Heads of the University Departments, the Principals of the constituent colleges in Arts, Science and Commerce and the Director, Institute of Distance Education are hereby informed that the recommendation made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 14th November, 2003 has been accepted by the Academic Council at its meeting held on 3rd January, 2004 vide item No.4.14 and that in accordance therewith the syllabus for Hindi at the M.Phil. degree has been revised as per Appendix and that the same will be brought into force with effect from the academic year 2003-2004.

Mumbai 400 032
12th April, 2004

for REGISTRAR.

To,

The Directors/Heads of University Departments, the Principals of the constituent colleges in Arts, Science and Commerce and the Director, Institute of Distance Education.

A.C.4.14/03.01.2004

No.UG 141-A of 2004

12th April, 2004

Copy forwarded with compliments for information to :-

1) the Deans of the faculties of Arts, Science and Commerce.
2) the Chairman, Board of Studies in Hindi.

for REGISTRAR.

Scanned with OKEN Scanner

A.C. Item No. 4.14 dt. 3/1/2004

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus
for
M.Phil. Degree Course (Hindi)

(with effect from the academic year 2003-2004, 2004-2005, 2005-2006)

Scanned with OKEN Scanner

एम. फिल. हिन्दी पाठ्यक्रम

(शैक्षणिक वर्ष २००३-२००४, २००४-२००५ और २००५-२००६ के लिए)
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नवीनतम पाठ्यचर्चा के अंतर्गत एम. फिल. पाठ्यक्रम के लिए दो सैद्धांतिक -प्रश्नपत्र, एक प्रस्तावित शोध कार्य से संबंधित प्रश्नपत्र, एक लघु शोध प्रबंध लेखन और मौखिकी का प्रावधान किया है। उसके अनुसार संपुर्ण परीक्षा ५०० अंको की होगी और अवधि एक वर्ष की। ध्यातव्य है कि संपूर्ण योग में ५५ प्रतिशत से कम अंक पाने वाले विद्यार्थी पी.एच. डी. शोधोपाधि में प्रवेश पाने के लिए अर्ह नहीं होंगे।

यू. जी. सी. के निर्देशानुसार इन ५०० अंको में ३०० अंक लिखित प्रश्न पत्रों के लिए १०० अंक लघु शोध प्रबंध के लिए और १०० अंक मौखिकी के लिए होंगे। अंकों का विभाजन निम्नलिखित है :-

प्रश्न पत्र १. (सैद्धांतिक) अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया
१०० अंक.

प्रश्न पत्र २. (सैद्धांतिक) हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
१०० अंक.

प्रश्न पत्र ३. (प्रस्तावित शोध-कार्य से संबंधित) साहित्य तथा साहित्येतर विद्याशाखाओं का अनुशीलन: अंत: संबंध
१०० अंक.

प्रश्न पत्र ४. लघु शोध-प्रबंध-लेखन
१०० अंक.

प्रश्न पत्र ५. मौखिकी
१०० अंक

कुल अंक ५००

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र १

अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

१. (क) **अनुसंधान का स्वरुप**

अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य।
अनुसंधान की विविध परिभाषाएं और उनका आशय।
अनुसंधान के उद्देश्य।
अनुसंधान और आलोचना : तुलनात्मक विवेचन।
अनुसंधान की विवेचन पध्दति वस्तुनिष्ठता, तर्क संगति, प्रमाणबध्दता।

२. (ख) **अनुसंधान के प्रकार**

साहित्यिक अनुसंधान और उसके प्रकार
१. वर्णनात्मक
२. ऐतिहासिक
३. तुलनात्मक
साहित्येतर अनुसंधान
साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुसंधान में साम्य-वैषम्य एवं अंत : सम्बन्ध
(वैज्ञानिक, राजनैतिक मनोवैज्ञानिक, समाजवैज्ञानिक)
अन्तविद्याशाखीय अनुसंधान का सामान्य परिचय
सौंदर्यशास्त्र, दर्शन, शेली विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, संस्कृति, राजनीतिशास्त्र.

. (च) **अनुसंधान की प्रक्रिया**

शोध विषय का चयन
सामग्री-संकलन
सामग्री का विवेचन - विश्लेषण
सामग्री की शोध संगति, निष्कर्ष - निरुपण

Scanned with OKEN Scanner

(छ) **शोध प्रबंध लेखन प्रणाली**

विषय - चयन

भूमिका - लेखन

अध्याय विभाजन - उपशीर्षक, अनुच्छेद

संदर्भ उल्लेख

पाद टिप्पणी

संदर्भ सूची, संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट, टंकलेखन, वर्तनी सुधार

३. (ट) **अनुसंधान कार्य के घटक तत्व और सामग्री**

घटक - अनुसंधन कर्ता, निर्देशक।

सामग्री - सामग्री के प्रकार, सामग्री के स्त्रोत।

(ठ) **हिन्दी अनुसंधान - कार्य की स्थिति एवं संभावना**

१. विभिन्न क्षत्रों के उल्लेखनीय शोध कार्यों के आधार पर हिन्दी अनुसंधान-कार्य की स्थिति का परिचय।

२. हिन्दी अनुसंधान की संभावनाएँ।

अंतर्विद्याशाखीय अनुसंधान, तुलनात्मक अनुसंधान आदि।

संदर्भ ग्रंथ

१. शोध-प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा.

२. अनुसंधान की प्रक्रिया - सं. डॉ. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक

३. अनुसंधान का विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह

४. अनुसंधान - डॉ. सत्येन्द्र

५. साहित्य, सिद्धांत और शोध - डॉ. आनंद प्रसाद दीक्षित

६. नवीन शोध विज्ञान - डॉ. तिलक सिंह

७. साहित्यिक शोध के सिद्वांत एवं समस्याएँ - डॉ. देवराज उपाध्याय तथा डॉ. रामगोपाल शर्मा

८. अनुसंधान का स्वरुप - सं. डॉ. सावित्री सिन्हा

Scanned with OKEN Scanner

९. संभावना (शोध विशेषांक) - हिन्दी विभाग, कुरुक्षेत्र वि. वि. कुरुक्षेत्र
१०. शोध - प्रविधि और प्रक्रिया - रावत चन्द्रभान तथा खण्डेलवाल रामकुमार
११. अनुसंधान के मूल तत्व - सं. विश्वनाथ प्रसाद
१२. हिन्दी शोध - सं. डॉ. मा. राजूरकर
१३. शोध - प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ. सरनाम सिंह शर्मा 'अरुण'
१४. शोध, तत्व और दुष्टि - डॉ. रा. खण्डेलवाल
१५. अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेन्द्र
१६. हिन्दी अनुशीलन - शोध - विशेषांक
१७. पाठानुसंधान - डॉ. विमलेश कांति
१८. पाठानुसंधान - डॉ. कन्हैया सिंह
१९. साहित्येतिहास संरचना और स्वरुप - डॉ. सुमन राजे
२०. शैलीविज्ञान और आलोचना की नई भुमिका - डॉ. रवीन्द्र श्रीवास्तव
२१. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया - डॉ. राजेन्द्र मिश्र
२२. अनुसंधान प्रविधि - डॉ. गणेशन
२३. हिन्दी अनुसंधान - डॉ. विजयपाल सिंह

संदर्भ ग्रंथ (मराठी)

१. भाषा आणि साहित्य - संशोधन पद्धति - सं. डॉ. वसंत सं. जोशी, डॉ. द. का. संत

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र २

हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभुमि ।

पाठयविषय :-

१. विचारधारा और साहित्य का सम्बन्ध ।
२. मध्ययुगीन परिवेश और चिंतन ।
३. विभिन्न धर्मसाधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन ।
४. पुनर्जागरणं, पुनरुत्थान और हिन्दी लोक-जागरण ।
५. औद्योगिक विकास और आधुनिकता बोध ।
६. आधुनिक हिन्दी साहित्य से सम्बध्द विशिष्ट मतवाद :
   गांधीवाद
   मार्क्सवाद
   मनोविश्लेषणवाद
   अस्तित्ववाद
   उत्तर आधुनिकतावाद
७. परम्परा और आधुनिकता
८. राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन ।
९. स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी साहित्य के प्रमुख विवेच्य विषय - आंचलिकता, महानगर बोध दलित चेतना और स्त्री विमर्श, ।

संदर्भ ग्रंथ

१. समकालीन विचारधाराएँ और साहित्य - डॉ. राजेन्द्र मिश्र
२. महात्मा गांधी जीवन और दर्शन - रामलाल विवेक
३. गांधी विचार और दृष्टि-हरदान हर्ष
४. हिंदी साहित्य और गांधीवादी चेतना - सं. डॉ. सुशीला गुप्ता
५. मध्ययुगीन हिंदी काव्य में वैष्णव संस्कृति और समाज - नागेन्द्र सिंह
६. आधुनिक भाव बोध - डॉ. पी. वी. कृष्ण नायर
७. भारतीय नवजागरण प्रणेता तथा आन्दोलन - गौरीशंकर भट्ट
८. संस्कृति के चार अध्याय - रामधारी सिंह 'दिनकर'

Scanned with OKEN Scanner

९. मार्क्सवाद - यशपाल
१०. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन - डॉ. शिवकुमार मिश्र
११. मार्क्सवाद क्या है? - एमिल वर्न्स (हिंदी अनुवाद - ओमप्रकाश संगए)
१२. आधुनिक भावबोध की संज्ञा - अमृतराय
१३. आधुनिकता और हिन्दी साहित्य - इन्द्रनाथ मदान
१४. साहित्य और आधुनिक बोध - देवेन्द्र इस्सर
१५. आधुनिकता, आधुनिकीकरण, आधुनिक बोध - डॉ. रमेश कुंतल मेघ
१६. आधुनिक परिवेश और अस्तित्ववाद - डॉ. शिवप्रसाद सिंह
१७. विचार और विवेचन - डॉ. नगेन्द्र
१८. विचार और अनुभूति - डॉ. नगेन्द्र
१९. फ्रायड मनोविज्ञान - अनु. श्री. देवेन्द्र कुमार
२०. आधुनिक भारतीय चिंतन - विश्वनाथ
२१. आधुनिक सामाजिक आंदोलन और आधुनिक हिंदी साहित्य - कृष्ण बिहारी मिश्र
२२. भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन का इतिहास - मन्मथ नाथ गुप्त
२३. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - सुमन राजे
२४. स्त्रीवादी विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र ३.

साहित्य तथा साहित्येतर विद्याशाखाओं का अनुशीलन: अन्त: संबंध

१. साहित्य और मनोविज्ञान।
२. साहित्य और इतिहास।
३. साहित्य और सामाजिक - आर्थिक विज्ञान।
४. साहित्य और शैली विज्ञान।
५. साहित्य और सौंदर्यशास्त्र।
६. साहित्य तथा धर्म, दर्शन और नीति।
७. साहित्य और भाषाशास्त्र।
८. साहित्य और भौतिक विज्ञान।
९. साहित्य और तकनीकी विज्ञान।

(टिप्पणी : इस प्रश्न पत्र के अन्तर्गत निर्देशित विद्याशाखाओं के स्वरुप को स्पष्टप करके दोनों के परस्पर प्रभाव और संबंध को स्पष्ट किया जायेगा।)

संदर्भ ग्रंथ

१. आस्था और सौन्दर्य - डॉ. राम विलास शर्मा
२. भाषा और समाज - डॉ. राम विलास शर्मा
३. मानवमूल्य और साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती
४. नये साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र - गजानन माधव मुक्तिबोध
५. भाषा और संवेदना - डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी
६. आधुनिक कथा साहित्य और मनोविज्ञान - डॉ. देवराज उपाध्याय
७. स्वतंत्र कलाशास्त्र भाग १-२ - डॉ. कांतिचंद्र पाण्डेय.
८. मार्क्सवादी सौन्दर्यशास्त्र - सं. ज्ञानरंजन व कलाप्रसाद पाण्डेय
९. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप- डॉ.सुमन राजे
१०. आधुनिक मनोविज्ञान जिज्ञासा - गंगाधर झा
११. अथातो सौन्दर्य जिज्ञासा - डॉ. रमेशकुंतल मेघ
१२. यथार्थवाद - डॉ.शिवकुमार मिश्र
१३. काव्यभाषा - डॉ.सियाराम तिवारी

Scanned with OKEN Scanner

१४. साहित्य का समाजशास्त्र - नगेन्द्र
१५. साहित्य का समाजशास्त्र - विश्वंभर दयाल गुप्त
१६. साहित्य और इतिहासदृष्टि - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
१७. साहित्य का इतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा
१८. शैली - विज्ञान - भोलानाथ तिवारी
१९. मनोविश्लेषण तथा साहित्यालोचन - प्रो. कलीमुद्दीन अहमद (हिंदी रूपांतर -देवेन्द्रनाथ शर्मा)
२०. मनोविश्लेषण - एस. फ्रायड (हिंदी रूपांतर - देवेन्द्र कुमार वेदालंकार) ऑटो बायोग्राफिकल स्टडी
२१. दर्शन के इतिहास की रूप-रेखा-इरलाय चिव
२२. भारतीय नीतिशास्त्र का इतिहास - डॉ. आत्रेय

संदर्भ ग्रंथ (मराठी)

१. साहित्य आणि सामाजिक शास्त्रे : अन्त : संबंध - सं.ह.श्री.साने

संदर्भ ग्रंथ (अंग्रेजी) :

1. Philosophy of Art – Aldrich Virgil C.
2. Illusion and Reality – C. Christopher
3. The use of Poetry and
   The use of Criticism – Eliot T.S.
4. Principle's of Literary Criticism – Richards I.A.
5. What is Literature?- Sartr, Joan Paul
6. Theory of Literature – Wellek, R. and Warren
7. Literature and Science – Ed. E. K. Brown
8. The Mirror and the Lamp – Abrams M.M.
9. Five Approaches of Literacy Criticism – Ed. W. Scott.
10. Art and Psychoanalysis - Ed. William Phillips
11. Literature and Morality – Names Farrell
12. Poetry and Society – Henderson Phillips
13. Literature, Philosophy and Social Sciences – Maurica Natanson
14. Art and Society – Ed. Adolph Sank & Warker
15. The Sociology of Literature – Dia and Ellin signwood

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न पत्र - ४

लघुशोध प्रबंध

इसके अंतर्गत लगभग १०० (सौ) टंकित पृष्ठों का लघु शोध-प्रबंध परिक्षणार्थ प्रस्तुत किया जायेगा। विषय का आवंटन विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्धारा किया जायेगा। विभाग ही विशेषज्ञ निर्देशक की व्यवस्था करेगा। इस लघु शोध - प्रबंध का मूल्यांकन १०० अंको मे से बाह्य विशेषज्ञ परीक्षक द्वारा कराया जाना अभीष्ट है।

प्रश्न पत्र - ५

मौखिकी

१०० अंको की यह परीक्षा एक बाहय और एक आंतरिक परीक्षक (जो निर्देशक भी हो सकता है)द्वारा साम्मिलित रुप से ली जायेगी। परस्पर सहमति न होने पर दोनों परीक्षक ५०-५० अंकों में अपना पृथक- पृथक मूल्यांकन कर सकते है। ऐसी स्थिति में परिणाम दोनो के योग से बनाया जाएगा।

****

Scanned with OKEN Scanner